जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

ہمارا وطن ہفت روزہ

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 अंक-10 जयपुर, सोमवार, 9 मार्च, 2026 वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) पृष्ठ संख्या 4

सैनी समाज ने सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर दिया गणेशजी को निमंत्रण

चौमूं (हमारा वतन)

सैनी समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर तैयारियां विधिवत रूप से शुरू हो गई हैं। बुधवार को गणेश निमंत्रण के साथ विवाह समारोह की शुरुआत की गई। शहर के रींगस रोड़ स्थित सैनी समाज सभा भवन में एकत्रित हुए, जहां से शोभायात्रा के रूप में बस स्टैंड मार्ग होते हुए प्राचीन गढ़ स्थित गढ़ गणेश मंदिर पहुंचे। मंदिर में माली समाज विकास समिति अध्यक्ष हीरालाल सैनी के सानिध्य में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर गणेशजी को विवाह सम्मेलन का निमंत्रण दिया गया और आयोजन की सफलता की कामना की गई।

आयोजन समिति महामंत्री मदनलाल मालेरिया व कोषाध्यक्ष एडवोकेट कुमार गौरव सैनी ने बताया कि आगामी 26 मार्च को रामनवमी के अबूझ मुहूर्त पर सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में 28 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधेंगे। समिति के अनुसार सम्मेलन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। विवाह स्थल की व्यवस्थाएं, अतिथियों के स्वागत, भोजन, सजावट और अन्य आवश्यक तैयारियों को लेकर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

इस मौके पर माली समाज विकास समिति महामंत्री मदनलाल मालेरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष माया सांखला, उपाध्यक्ष गणेश बैनाडिया, पूर्व अध्यक्ष मदन जादम, प्रहलाद सहाय अधोपिया, दिनेश तिगरिया, घीसालाल तंवर, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष जयनारायण चंदेल, महात्मा ज्योतिराव फुले संस्थान अध्यक्ष अनिल कुमार सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजमल ठेकेदार, कर्मचारी संस्थान ब्लॉक अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिया, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान तहसील अध्यक्ष सुरेश कुमार तंवर, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभाती लाल ठेकेदार, संरक्षक हनुमान सहाय सिंगोदिया, प्रदेश महामंत्री अभिषेक सैनी, सूरजमल करवा, पूरण मल करवा, हनुमान सहाय तंवर, भजन गायिका कोमल सैनी, नर्सिंग ऑफिसर प्रवीण सैनी, डॉ. मानप्रकाश सैनी, अशोक रोलावन, मदन बागड़ी, दीपक तंवर, पूर्व सरपंच कल्याण सहाय पापटवाण, कल्याण सहाय तोबड़ा, पार्षद बाबूलाल बिसनालिया, ओम प्रकाश सिंगोदिया महारकला, किशोर जमालपुरिया, नंछु राम सैनी, अर्जुन लाल सिंगोदिया, हिमांशु चंदेल, मोहनलाल तंवर, गोविंद नेता, मदन लाल सैनी इटावा, राजकुमार सैनी इटावा, ओमप्रकाश कालाडेरा, शंकर लाल सैनी खेजरोली, प्रकाश राई, पवन सैनी, राजकुमार कांकरवाल, महेंद्र सैनी, बाबूलाल अधोपिया, कमलेश बागड़ी, कैलाश चांदोलिया, गजानंद सैनी, गुलाब रोलावन, सतीश सैनी, रामगोपाल कालाडेरा, महेंद्र जमालपुरिया, ओमप्रकाश भगत, मोहनलाल सिंगोदिया, हीरालाल जादम, कैलाश सिंगोदिया सहित सैकड़ो की संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए छात्रावास हेतु निःशुल्क भूमि आवंटन की विधायक यादव ने की मांग

शाहपुरा (हमारा वतन)। कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने विधानसभा में प्रदेश के वंचित एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास निर्माण हेतु निःशुल्क भूमि आवंटन की मांग उठाई।

विधायक यादव ने सदन में कहा कि प्रदेश में कई जाति एवं उपजाति समूह आज भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवश्यक शैक्षणिक सुविधाओं से वंचित हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण ये वर्ग शिक्षा के क्षेत्र में अपनी जनसंख्या के अनुपात में पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं कर पाए हैं।

अनुसूचित जाति वर्ग में रैगर, बलाई, धोबी, खटीक, हरिजन, सांसी, बावरिया, नट सहित कई जातियां तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग में मीणा, धानका आदि और डीएनटी समुदाय की कई जातियां आज भी शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़ेपन का सामना कर रही हैं। इसके साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) में नाई, दर्जी, जोगी, नाथ, गोस्वामी, सिद्ध, कुमावत, कुम्हार, खाती, बंजारा, तेली, स्वामी, बैरागी, नायक, छिपा, कसाई, सुनार, तमोली, लुहार, रैबारी, मनियार, सपेरा, मंसूरी, ढाड़ी, कीर-मेहरा, कलाल, पटवा, भाट, राव, जागा, नीलगर, दरोगा सहित अनेक जातियां शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त अवसरों से वंचित हैं।

विधायक ने कहा कि इन समुदायों का शैक्षणिक प्रतिनिधित्व कम है, उनकी सामाजिक संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर जयपुर सहित प्रदेश के प्रमुख शैक्षणिक केंद्रों पर विद्यार्थियों के लिए छात्रावास निर्माण हेतु निःशुल्क भूमि आवंटित की जाए। साथ ही समाज की संस्थाओं के सहयोग से इन छात्रावासों का निर्माण और संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिल सके।

सहरिया महाविद्यालय के विद्यार्थियों की इंटर्नशिप के लिए हुए एमओयू

जयपुर (हमारा वतन)। कालाडेरा स्थित सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय कालाडेरा के स्नातक पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार कौशल विकास के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम की आपूर्ति हेतु तीन संस्थानों के साथ एमओयू हस्ताक्षरित हुए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जय भारत सिंह ने अवगत करवाया कि महाविद्यालय के पांचवें सेमेस्टर के पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बलेखण (गोविन्दगढ) व कृष्णम् वैलफेयर फॉउंडेशन मोरिजा, प्रिंस एण्ड प्रिंसेज एजुकेशन सोसाइटी चौमूं एवं श्रीकृष्ण गोपाल गौशाला, धौबलाई (गोविन्दगढ) के साथ राजस्थान विश्वविद्यालय एवं आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान के निर्देशानुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों के तहत इंटर्नशिप करवाये जाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।

ग्रामवासियों ने सड़क स्वीकृति पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का जताया आभार

चौमूं (हमारा वतन)

शहर के सुभाष सर्किल स्थित कार्यालय पर भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का ग्रामवासियों द्वारा सड़क स्वीकृति पर माला एवं साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

गौरतलब है कि राजस्थान वित्त एवं विनियोग विधेयक 2026 पर सदन में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूं में सड़कों के निर्माण कार्य हेतु 15 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। नांगल गोविंद, आष्टी कलां, किशनपुरा, घिनौई, आलीसर, जयसिंहपुरा और डोला का बास में सड़क स्वीकृति पर ग्रामीणों ने कार्यालय पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर गोरी का बास सड़क से स्कूल तक, रेनवाल रोड से यूपीएस स्कूल तक, कुमावतो की ढाणी से सीतारामपुरा वाया बनियावली ढाणी, विमलपुरा से रूडजी की ढाणी, गीदा का बास से किशनपुरा सड़क वाया कुमावतो की ढाणी, शिव मंदिर से आष्टी तक, बगड़ी रींगस सड़क से रीको तक (नांगल गोविंद) सड़क स्वीकृत की गई हैं। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया और ग्रामवासियों का स्वागत सम्मान के लिए आभार जताया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, पंचायत समिति उप प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश चौधरी, पूर्व सरपंच नाथूराम जाट, मगन सिंह, रामगोपाल मीणा, महंत योगेश्वर महामंत्री रिशपाल कुमावत, सरपंच सुल्तान बुनकर, एकता कंवर, पंचायत समिति सदस्य महेश बुनकर, ओम प्रकाश धामाणी, नेमीचंद शर्मा, भागचंद शर्मा, जगदीश यादव, पोखरमल निठारवाल, रतन लाल, लालचंद, कालूराम निठारवाल, सतपाल मीणा, बनवारी लाम्बा, बनवारी गढ़वाल, भोलूराम लौरा, हरलाल लौरा, रामकरण गढ़वाल, सांवरमल स्वामी, बोदूराम मीणा, भागीरथ बुनकर, सौभाग राठौड़, विनोद सेन, रुडमल, महेंद्र कुमावत, अवतार लौरा, अशोक लांबा, मोतीराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

'आनंद एक एहसास- सीजन 8' संगीत संध्या 15 मार्च को

जयपुर (हमारा वतन)। गुलाबी नगर जयपुर की सामाजिक और सांस्कृतिक समिति जयपुर कल्चर सोसायटी द्वारा लगातार प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में 15 मार्च 2026 को 'आनंद एक एहसास-सीजन 8' संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा।

जयपुर कल्चरल सोसायटी की अध्यक्ष और कार्यक्रम आयोजक कंचन आनंद ने बताया कि समिति के संस्थापक स्वर्गीय डॉक्टर आनंद के गंगवार की स्मृति में यह संगीत संध्या आयोजित की जा रही है। यह संगीत संध्या पवन डांगी और उनकी टीम द्वारा लाइव बैंड पर आयोजित होगी।

कार्यक्रम जयपुर स्थित विद्याश्रम स्कूल के महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में शाम 5:30 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क है। सभी सिंगर्स जबरदस्त रिहर्सल कर रहे हैं।

मीणा जनजाति की एकमात्र और अनूठी प्रतिभा- बादल झरवाल

➡ हिन्दी फिल्म 'ताबीज़ दी पावर' के जरिये बॉलीवुड में ली एंट्री ➡ स्वाभिमान दा ऑक्सीजन फिल्म को लेकर चर्चा में

जयपुर (हमारा वतन)। मीणा जनजाति की अनेक प्रतिभाओं को आपने आईएएस,आईपीएस,आरएएस आदि लोक सेवकों के रूप मे खूब देखा होगा । सांसद व विधायकों के रूप में भी देखा है तो मंत्रियों के रूप में भी । लेकिन बॉलीवुड इन्डस्ट्री में जहां किसी भी प्रकार का कोई भी आरक्षण नहीं है । वहां यदि कठोर से कठोर कम्पीटिशन में मीणा जनजाति की किसी प्रतिभा ने अपनी मेहनत, लगन, जुनून और निरंतरता के दम पर एक लेखक,अभिनेता, गीतकार व निर्देशक के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है तो वो है, बाबू लाल मीना उर्फ़ बादल झरवाल ।

जी हाँ । ग्राम उदावाला हाल तहसील मनोहरपुर जिला जयपुर मे स्वर्गीय पान्चू राम मीना के सबसे बडे पुत्र के रूप में जन्म लेने वाली इस प्रतिभा ने स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर से अपने कैरियर की शुरुआत की और अधिकारी वर्ग मे रहते हुए वर्ष 2007 - 08 से हिन्दी फिल्म ताबीज़ दी पावर के जरिये बाँलीवुड इन्डस्ट्री में एंट्री ली। इस फिल्म की कहानी, स्क्रीन प्ले, संवाद व गीत लिखते हुए इसमें मुख्य अभिनेता के रूप शानदार अभिनय किया। इसमें निर्देशन भी इन्होंने ही किया था । लेकिन सहायक के रूप में राकेश काकरिया को रखा और उन्ही का नाम निर्देशक के रूप मे दिया । वो फिल्म लाजवाब रही थी । यह भारतीय सिनेमा इतिहास की वो पहली हिन्दी फिल्म थी जिसमें मीणा सरनेम को किसी फिल्म किरदार के रूप में दिखाया गया था । यह हिन्दी फिल्म वर्ष 2008 में सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई

थी । पुलिस एसपी आजाद सिंह मीणा की दमदार भूमिका को बादल झरवाल ने ही निभाया था ।

उसके बाद उसके सेकेण्ड पार्ट तावीज दी ताज 2021 मे आया था। जिसमें कहानी, स्क्रीन प्ले, संवाद व गीत लिखते हुए बादल झरवाल ने मुख्य अभिनेता की डबल रोल वाली भूमिकाएं भी निभाई, तो फिल्म का निर्देशन भी खुद ने ही किया था । यह फिल्म भी बहुत कामयाब रही ।

उसके बाद मीणा जनजाति के गौरवशाली इतिहास पर इन्होंने हिन्दी फिल्म स्वाभिमान दा ऑक्सीजन बनाई है । जिसकी कहानी, स्क्रीन प्ले, संवाद व गीत बादल झरवाल ने ही लिखे है । मुख्य अभिनेता के रूप में इस फिल्म मे इन्होंने चार अलग -अलग बेहतरीन भूमिकाएं निभाते हुए इस फिल्म का भी निर्देशन स्वयं ने ही किया है । इस फिल्म की कहानी का सेकेण्ड पार्ट भी इन्होंने ही बनाया है ।

उक्त दोनो संदर्भित फिल्मों को 17 अप्रेल 2026 से दिसम्बर 2026 के मध्य रिलीज़ किया जा रहा है । राष्ट्रपति की पूर्वानुमति मिलते ही स्वाभिमान दा ऑक्सीजन का विशेष प्रीमियर शो आयोजित किया जाएगा ।

इसके अलावा बादल झरवाल अपने निजी जीवन पर आधारित हिन्दी फिल्म कर्मवीर भी बना रहे हैं। इस फिल्म में न्यायालयों से लिए गये वास्तविक रिकार्ड पर आधारित ऐसी सच्चाई दिखाई जा रही है, जो अपने आप मे एक अलग ही लेवल की फिल्म होगी ।

इस लिहाज से मीणा जनजाति की यह विशिष्ट प्रतिभा अन्य सभी प्रतिभाओं से एकदम अलग है । ऐसे फील्ड में सफलता हासिल कर रही है। जहां ना तो उसे कोई आरक्षण मिल रहा है और ना उसका वहां कोई गोड फादर है । अपनी इन्हीं खूबियों के चलते बादल झरवाल वर्ष 2021 में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्डर्स धारी लेखक, अभिनेता, गीतकार, स्क्रीन प्ले राइट और संवाद लेखक होते हुए फिल्म निर्देशक भी बना हुआ है । अपने इस रिकार्ड को हिन्दी फिल्म कर्मवीर से यही बादल झरवाल तोडने जा रहे हैं । आम लोगों तक यह जानकारी इसलिए नहीं है । कारण कि बादल झरवाल, कामायनी के पीछे दौडता है , कामयाब लोगों के पीछे नहीं । उम्मीद है मीणा जनजाति के लोगों के लिए यह प्रतिभा सम्मानीय और गौरवशाली है ।

गौरव गाथा- गुहाला

चहुँओर खड़ी अरावली की,
ऊँची अटल कतार।
शौर्य-सिंचित शेखावाटी का,
जग में यश अपार।
धरती के गर्भ में पलते,
संपदा के भंडार।
गृह-निर्माण की शक्ति यहाँ की,
करती जग उद्धार।
कांटली की कल-कल धारा,
विस्तृत निर्मल पाट।
नदी किनारे लहलहाते,
खेत-खलिहानों के ठाठ।
काटली नदी बजरी का यश,
गूंजे सीकर-झुंझुनूं में अपार।
मजबूत नींवों में बसता,
इसका दृढ़ आधार।
पीपल खेजड़ी नीम खड़े हैं,
प्रहरी बन घनघोर।
छाया में उनकी पथिक पाता,
शीतल सुखद ठौर।
गली-गली में मंदिर सजते,
गूँजे मंगल गान।
घंटा-घड़ियालों की ध्वनि से,
पावन होता धाम।
राजा के प्राचीन गढ़ से,
गौरव की पहचान।
वीरों की गाथाएँ गाती,
इसकी पावन शान।
सीकर - दिल्ली पथ से,
इसका दृढ़ जुड़ाव।
प्रगति-पथ पर बढ़ता रहता,
जीवन का बहाव।
राजस्थान की पावन धरती,
सीकर जिला महान।
नीमकाथाना तहसील में,
गूँजे गौरव गान।
गुहाला गाँव सुशोभित करता,
माटी का सम्मान।
भाईचारे की भावना से,
बसता हर इंसान।
अरावली की अडिग अचलता,
कांटली का विस्तार।
धरती यह शेखावाटी की,
भारत का श्रृंगार।
जिसने इसकी धूल चूम ली,
उसका ऊँचा मान।
गुहाला गाँव की गौरव गाथा,
बढ़ाए हिन्दुस्तान का मान।

महेन्द्र सिंह कटारिया, नीमकाथाना

शिक्षक ने पत्नी का जन्मदिन विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित करके मनाया

उदयपुर (हमारा वतन)। उदयपुर जिले के सायरा ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मग्घा के शिक्षक आचार्य नरेन्द्र शास्त्री ने अपनी पत्नी ज्योति यादव का जन्मदिन विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित करके मनाया। इस दौरान 60 से अधिक विद्यार्थियों को स्टेशनरी (कॉपी , पेन , पेंसिल , रबर , कटर) भेंट किए गए।

इस अवसर पर भंवरलाल घोघरा ने बताया कि भौतिकवाद के इस युग में इस तरह की पहल और प्रयास अनुकरणीय है। एक शिक्षक को संवेदनशील होना चाहिए तथा अपने विद्यालय के हर बच्चे के इकोनॉमी पृष्ठभूमि की जानकारी होनी चाहिए। ज्ञातव्य है 4 वर्ष के कार्यकाल में

आचार्य नरेन्द्र शास्त्री 10 बार से अधिक विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित कर चुके हैं। इस दौरान आचार्य नरेन्द्र शास्त्री, करणसिंह दल्लावत, भंवरलाल घोघरा, सुनिल कुमारी, अन्नाराम हिंगड सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

आप सभी देशवासियों को हमारा वतन समाचार पत्र की ओर से महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

श्री नहर के गणेशजी मंदिर में फागोत्सव की धूम

जयपुर (हमारा वतन)। ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित अति प्राचीन दाहिनी सूंड दक्षिणमुखी श्रीनहर के गणेशजी मंदिर में फागोत्सव मनाया गया। मंदिर युवाचार्य पं. मानव शर्मा ने बताया कि यह उत्सव मंदिर महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में प्रातः गणपति की पूजा-अर्चना करके रंगबिरंगी फागुणिया पौशाक पहनाकर प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मंदिर में रंगबिरंगे परिधानों एवं ढप-चंग पिचकारी, रंग-बिरंगी गुलाल से फागुणिया झांकी सजाई गई ।

दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक गुलाबो सपेरा व साथी कलाकार, सुरेश पांचाल, नृत्य गुरु राजेंद्र राव व उनके शिष्य, गोपाल सिंह राठौड़ एवं भवई नृत्यांगना आचुकी सागर के भवई तथा मीनाक्षी डांसर व श्याम जी झांकी वालों

की झांकियों तथा परवीन मिर्जा, उग्रसेन तंवर के कार्यक्रम हुए तथा आरती के पश्चात राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय कथक कलाकारों के नृत्य के कार्यक्रम हुए।

इसमें प्रमुख रूप से नृत्य गुरु शशि सांखला व शिष्य, संगीता सिंघल व शिष्य, शिवी जोशी, मोनिका अग्रवाल, नलीनी, रोहित मदन महाराज, जयराज जबड़ा व शिष्यगण, परमेश्वर कथक, सांवरमल कथक, दिलशाद के कार्यक्रम हुए मंच संचालन राजेश आचार्य व आरडी अग्रवाल ने किया। वहीं राजस्थानी फिल्म अभिनेता उग्रसेन तंवर और मीनाक्षी सेन ने प्रसिद्ध हास्य नृत्य तंबाकुडी पर भक्त जनों की जमकर तालियां बटोरी।

शहर में गाँव

आदमी का प्रेम लौटे, अपनापन, लगाव लौटे
मुमकिन हो कि शहर में अब गांव लौटे
पीपल का पेड़ लौटे, कुआँ लौटे
तहजीब लौटे कि नमस्ते, दुआ लौटे
संजीदा पोखरा और चकनाली उसकी
नीचे नीम के आदमियों से घिरा अलाव लौटे
मुमकिन हो कि शहर में अब गांव लौटे
जामुन का पेड़ और शिवाला लौटे
अपनो के साथ बैठ के निवाला लौटे
घर की संजीदगी लौटे
रिश्तों में पुश्तैनी ठहराव लौटे
मुमकिन हो कि शहर में अब गांव लौटे
क्षीर लौटे, पूजा लौटे और बखीर लौटे थे
खेल - खेल में लकड़ी की शमशीर लौटे
जो बस गए अरसे से शहर में
उनके भी गांव की तरफ पाँव लौटे
मुमकिन हो कि शहर में अब गांव लौटे
चमक सड़क, शोहरत और इमारत की
पैसे के बल बड़ा बनने के चाहत की
इन इच्छाओं पर थोड़ा अंकुश लगे
फिर आदमी के अंदर का भाव लौटे
मुमकिन हो कि शहर में अब गांव लौटे

सिद्धार्थ गोरखपुरी

जॉब्स

1. रेलवे आरआरसी WR, पद अप्रेंटिस, पद संख्या 5349, अंतिम तिथि 23 मार्च 2026
2. एम्स नॉर्सेट, पद नर्सिंग ऑफिसर, पद संख्या 3000, अंतिम तिथि 16 मार्च 2026
3. इंडियन आर्मी, पद अग्नि वीर, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 1 अप्रैल 2026
4. डीएसएसएसबी, पद विभिन्न, पद संख्या 911, अंतिम तिथि 25 मार्च 2026
5. यूपीएससी, पद असिस्टेंट कमांडेंट, पद संख्या 349, अंतिम तिथि 12 मार्च 2026
6. आईडीबीआई बैंक पद जूनियर असिस्टेंट व असिस्टेंट मैनेजर पद संख्या 1300, अंतिम तिथि 19 मार्च 2026
7. डीएसएसएसबी, पद विभिन्न पोस्ट, पद संख्या 219, अंतिम तिथि 28 मार्च 2026
8. यूपीएसएससी, पद फार्मासिस्ट, पद संख्या 560, अंतिम 29 मार्च 2026

मेनोपॉज शुरू होने के साथ बढ़ सकता है हेयर फॉल

मेनोपॉज़ महिलाओं के जीवन में बहुत सारे बदलाव लेकर आता है। यह आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। जिसमें स्किन और बालों पर नजर आने वाले साइड इफेक्ट्स भी शामिल हैं।हम जानते हैं कि उम्र बढ़ने के साथ लगभग हर किसी के कुछ न कुछ तो बाल झड़ते ही हैं। मेनोपॉज़ के कारण महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से सामना करना पड़ता है। उनमें से एक है बालों का झड़ना। इसके कारण बाल बहुत पतले हो जाते हैं। हम यह जानते हैं कि एस्ट्रोजन बालों के विकास और घनत्व को बढ़ाता है। तो क्या इस फेज में एस्ट्रोजन हॉर्मोन का प्रभावित होना कारण है? क्या यह सही है कि बालों में होने वाला कोई भी बदलाव एस्ट्रोजन में गिरावट के कारण होता है या उम्र बढ़ने की प्रक्रिया के कारण है।

रजोनिवृत्ति के दौरान क्यों गिरने लगते हैं बाल?यदि आप शॉवर या बाथटब की नाली में अधिक बाल जमा हुआ देखती हैं, तो आप अकेली नहीं हैं। मेनोपॉज फेज में यह आम समस्या है। एस्ट्रोजन बालों के डेवलपमेंट फेज, स्कल और फॉलिकल हेल्थ के लिए जरूरी है। यह बालों को चिकना और चमकदार रखने वाले प्राकृतिक आयल को प्रभावित करता है। जब रजोनिवृत्ति के दौरान एस्ट्रोजन का स्तर कम हो जाता है, तो बाल झड़ सकते हैं। ये पतले हो सकते हैं, डेंसिटी खो सकते हैं। यहां तक कि टेक्सचर भी बदल सकते हैं और ड्राई हो सकते हैं।

बालों के रोम छोटे हो जाते है-हार्वर्ड हेल्थ के एक अध्ययन में पाया गया कि भाग लेने वाली 200 में से 200 महिलाओं में रजोनिवृत्ति के दौरान बाल झड़ने की समस्या थी। कम एस्ट्रोजन का स्तर बालों के विकास चक्र को भी प्रभावित कर सकता है। यह बालों के दोबारा उगने के चरण में भी देरी कर सकता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बालों के रोम भी छोटे होते जाते हैं। इसलिए उनसे निकलने वाले बाल पतले होते हैं, जिससे समग्र रूप से डेंसिटी में कमी आती है।

एंड्रोजन का बढ़ जाता है स्तर -जैसे-जैसे एस्ट्रोजन का स्तर कम होता जाता है, एण्ड्रोजन, जिसे एक पुरुष हार्मोन माना जाता है, बालों के रोमों में अधिक सक्रिय हो जाता है। कुछ ख़ास दवा से एण्ड्रोजन का स्तर कम होता है और बालों को दोबारा उगने में मदद मिलती है। जैसे रजोनिवृत्ति के दौरान त्वचा शुष्क हो जाती है, वैसे ही स्कैल्प और बाल भी शुष्क हो जाते हैं। एस्ट्रोजन का स्तर कम होने का मतलब है कि कम सीबम का उत्पादन होना। सीबम सिर की त्वचा को चिकनाई देता है। इसके कारण ड्राई स्किन और परतदार खोपड़ी है। यदि स्कैल्प पर सीबम कम है, तो बालों में प्रवेश करने की क्षमता भी कम हो जाएगी। इसलिए बाल रूखे, बेजान और अधिक टूटने वाले हो जाते हैं।

हेयर फॉलिकल में बदलाव -हॉर्मोन में बदलाव के कारण बालों की बनावट बदल जाती है। जैसे-जैसे बाल अधिक सफेद होते जाते हैं, बाल अधिक रूखे हो जाते हैं। कुछ स्थानों पर ये अचानक कर्ली भी हो जाते हैं। हार्मोन हेयर फॉलिकल के आकार को प्रभावित कर सकते हैं। सीधे बाल पैदा करने वालेगोल -आकार के रोमों से एग शेप रोमों में बदल सकते हैं, जो घुंघराले बाल पैदा करते हैं।

लो सीबम लेवल- सीबम बालों के पीएच को स्वस्थ अम्लीय श्रेणी में बनाए रखने में मदद करता है। अम्लता बालों की क्यूटिकल कोशिकाओं को एक-दूसरे से सटी हुई रखती है। मेनोपॉज़ में लो सीबम लेवल होता है। इससे बाल खुरदुरा और चिपचिपा हो जाता है। लो सीबम लेवल पीएच संतुलन को बदल देता है, इसलिए यह कम अम्लीय होता है। इससे क्यूटिकल सेल ऊपर उठने लगती हैं और अलग होने लगती हैं। इससे बाल बेजान और खुरदुरे दिखने लगते हैं। हल्के से मध्यम बालों के झड़ने के लिए त्वचा विशेषज्ञ अक्सर मिनोक्सिडिल दवा लेने की सलाह देते हैं। यह एक ओवर-द-काउंटर दवा है, जो बालों के विकास को बढ़ावा देती है। यह स्तन कैंसर के इतिहास वाले लोगों के लिए भी सुरक्षित है।

बॉलीवुड चटकारा

‘धुरंधर’ स्टार आयशा खान बोलींमेरा रेप करने की कोशिश की थी, स्पॉट बॉय गंदे वॉइस नोट्स भेजता था

आयशा खान ने ग्लैमर की दुनिया के उस कड़वे सच पर बात की, जिसे अक्सर पर्दे के पीछे ही रखा जाता है। उन्होंने बताया कि एक महिला सेलिब्रिटी होने के नाते उन्हें किस हद तक ऑनलाइन शोषण, रेप की धमकियों और यहां तक कि असल जिंदगी में यौन हिंसा की कोशिशों का सामना करना पड़ता है।

‘धुरंधर’ फेम एक्ट्रेस आयशा खान ने ऑनलाइन ट्रोलिंग और अपने साथ हुए डरावने अनुभवों पर खुलकर बात की। आयशा ने कहा कि उन्हें हर वक्त हर चीज के लिए ट्रोल किया जाता है। आयशा बोलीं, जब बताया कि धुरंधर के गाने शरारत की शूटिंग के दौरान पीरियड्स थे तो ट्रोल किया गया। मैं चाहे नॉर्मल टॉप पहनूं या स्कर्ट, लोगों को हर चीज से दिक्कत है। मुझे कुछ भी पोस्ट करने से पहले सौ बार सोचना पड़ता है। यह बहुत दुखद है कि मुझे दूसरों की गंदी सोच की वजह से अपनी पसंद पर लगाम लगानी पड़ती है।

रेप की धमकियां-जब आयशा से पूछा गया कि क्या उन्हें रेप की धमकियां मिलती हैं? तब उन्होंने मोजो स्टोरी को दिए इंटरव्यू में कहा, ‘हां, हर रोज! मैं अभी अपना फोन खोलकर आपको दिखा सकती हूं। दुख की बात तो ये है कि अब रेप की धमकियां देना नॉर्मल हो गया है। लोग इस पर बात करते हैं, सवाल पूछते हैं, लेकिन पर कुछ होता नहीं है।’**क्यों लगता है डर?** आयशा बोलीं, मुझे तो ये सोच सोचकर डर लगता है कि ये धमकियां देने वाले, ये ट्रोल करने वाले कोई रोबोट नहीं हैं, बल्कि हमारे आसपास रहने वाले इंसान हैं। अगर उनके पास ताकत होती तो वे असल सिर्फ धमकी नहीं देते, वैसा ही करते जैसा वो लिख रहे हैं।**हुई थी रेप की कोशिश**-आयशा ने बताया कि उनकी जिंदगी में एक वक्त ऐसा भी आया था जब उनका रेप करने की कोशिश की गई थी। उस घटना का जिक्र करते हुए आयशा इमोशनल हो गईं और बोलीं, ‘कभी-कभी ये ऑनलाइन कमेंट्स उन पुराने जख्मों को फिर से कुरेद देते हैं जिन्हें मैं भूलना चाहती हूं। मुझे डर लगता है कि अगर मैं इतनी फेमस न होती तो शायद ऐसी घटना मेरे साथ दोबारा हो सकती थी।’

सेट पर हुई थी डरावनी घटना-आयशा ने बताया कि एक बार वो एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। उनके साथ उनके पिता भी थे।

ईशा गुप्ता लौंटी भारत, डिटेल में बताया कि अबू धाबी के एयरपोर्ट और होटल में क्या हुआ था

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता भारत लौट आई हैं। वह मिडिल ईस्ट में बढ़ते झगड़ों के बीच अबू धाबी में फंस गई थीं। वापस आने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि वहां उन्होंने क्या देखा और क्या सुना। आइए आपको बताते हैं कि अबू धाबी में वो कैसे फंसी और भारत कैसे वापस आईं।

एयरपोर्ट पर क्या हुआ?ईशा ने लिखा, ‘28 फरवरी के दिन मैं अबू धाबी के एयरपोर्ट पर थी। दोपहर के 1 बजे रहे थे और एयरपोर्ट बंद हो गया था। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था। बस चारों ओर अफरा-तफरी मची हुई थी। फिर मिसाइल हमले की खबरें आने लगीं और किसी को नहीं पता था कि अगले मिनट हमारे साथ क्या होगा। अजनबी एक-दूसरे को दिलासा दे रहे थे, सभी अपने परिवार को फोन कर रहे थे।

लोगों ने क्या बताया? ईशा ने आगे लिखा, ‘मैंने चेक-इन नहीं किया था इसलिए मैं वापस होटल चली गई थी। उस रात एयरपोर्ट से होटल आए लोगों ने हमें बताया कि एयरपोर्ट पर सभी पैसेंजर्स को खाने के लिए जितना हो सके कैश दिया गया। फिर उन्हें अपने सामान के वापस आने का इंतजार करना पड़ा। कुछ घंटों के बाद पैसेंजर्स को लाइन में लगवाया उन्हें उनका सामान और अबू धाबी के होटलों में रहने की जगह दी। इतना ही नहीं, अलग-अलग होटलों में जाने के लिए बसें भी तैयार कीं। ईशा बोलीं, ‘मैंने होटल मैनेजमेंट को देखा, वे कल रात वाले ही कपड़ों में थे, अभी भी काम कर रहे थे, एक्टिव थे और हर चीज का ध्यान रख रहे थे।

सपना चौधरी के ऊपर 35 केसेस, बोलीं- 26 टेबल थे और हर टेबल पर हथियार पड़े थे, ऐसा लग रहा था...

सपना चौधरी ने रिएलिटी शो द 50 में रिवील किया कि उनके खिलाफ तकरीबन 35 केस दर्ज हैं। इतना ही नहीं, भारत में ऐसी कई जगहे हैं जहां उन्हें परफॉर्म करने से बैन कर दिया है। सपना ने कहा, ‘साल 2018 के बाद मेरे करियर में बड़ा बदलाव आया था। ये बदलाव बिग बॉस के बाद आया। बिग बॉस से पहले इवेंट्स में चीजें अस्त-व्यस्त होती थीं। भगदड़ होती थी, कुर्सियां फेंकी जाती थीं, झगड़े होते थे। यही कारण है कि मेरे ऊपर 35 केस हैं। मैं बापट, बारोड, मेरठ तरफ बैन हूं। मेरे नाम से शो की परमिशन नहीं मिलती है इन जगहों पर।’

‘देर रात फोन आया’-सपना ने अपने शुरुआती दिनों के स्ट्रगल को याद करते हुए कहा, ‘घर पर पैसे नहीं थे। मैं और मेरी मां प्रार्थना कर रहे थे कि कैसी भी करके कोई शो ऑफर हो जाए। अचानक, देर रात, मेरा फोन बजा। उन्होंने पूछा कि क्या मैं उनके लिए शो करूंगी? मैंने तुरंत हां कह दिया। पूछा भी नहीं कि किस तरह का शो है? कहां हो रहा है? मुझे क्या करना है? शाम हुई, हम वेन्यू पर पहुंचे। जैसे ही हम अंदर गए, हमने देखा, सामने 25-26 टेबल लगी हुई हैं और हर टेबल पर खुलेआम हथियार रखे हुए हैं।

आगे क्या हुआ?सपना ने आगे बताया, ऐसा लग रहा था जैसे वे अभी-अभी जेल से छूटे हैं और जश्न मना रहे हैं। पहले, मैंने एक सोलो गाना गाया और फिर मैंने एक डुएट गाना शुरू किया। जब मैं सोलो परफॉर्म कर रही थी तो उनमें से एक आदमी बार-बार मेरे पास आता रहा, मेरे कान में कुछ फुसफुसाता रहा और फिर चला गया। मेरी मां ने मुझसे पूछा कि वह क्या कह रहा है।

टिकिट

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

– सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

कहीं आक्रामक न हो जाएं ईरान

अमेरिका और इजरायल ने साझा हवाई हमले करके ईरान की उस धार्मिक सत्ता-व्यवस्था को पूरी तरह से खत्म कर दिया, जो दशकों से चली आ रही थी। 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नामक इस कार्रवाई में 37 वर्षों तक ईरान के सर्वोच्च नेता रहे अयातुल्ला अली खामेनेई अपने अनेक शीर्ष सैन्य कमांडरों के साथ मारे गए। यह ईरान में मात्र नेतृत्व का परिवर्तन नहीं है, बल्कि सन् 1979 से कायम भू-राजनीतिक व्यवस्था का हिंसक रूप से खत्म होना भी है।खामेनेई ने कभी अपने उत्तराधिकारी का नाम सार्वजनिक तौर पर नहीं लिया। यह जान-बूझकर लिया गया फैसला था, लेकिन इसने ईरान के मौजूदा परिदृश्य में एक सांविधानिक संकट पैदा कर दिया है। हालांकि, वहां की 88 सदस्यीय 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट', यानी विशेषज्ञ सभा के पास अगले सर्वोच्च नेता को चुनने की सांविधानिक ताकत है, लेकिन अंतरिम नेतृत्व अब तीन सदस्यीय परिषद के हाथों में है, जिसमें सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, कट्टरपंथी न्यायपालिका के प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी-एजेई और गार्जियन कौंसिल के अयातुल्ला अलीरेजा अराफी शामिल हैं। दिवंगत सर्वोच्च नेता खामेनेई के 56 वर्षीय दूसरे बेटे अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को उनका दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, वंशवाद से जुड़ी चिंताएं उनकी उम्मीदवारी को जटिल बना सकती हैं, जिससे आंतरिक सत्ता-संघर्ष छिड़ सकता है। ऐसा लग रहा है कि यह देश एक धार्मिक तंत्र से सैन्य नेतृत्व वाली 'शासन व्यवस्था' में बदलने जा रहा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) सत्ता व्यवस्था सीधे अपने हाथों में ले सकती है, क्योंकि वह ईरानी अर्थव्यवस्था के लगभग 60 फीसदी हिस्से को नियंत्रित करती है। अगर ऐसा हुआ, तो ईरान अधिक आक्रामक, कम कूटनीतिक कुशल और कहीं ज्यादा खतरनाक बन सकता है।अमेरिकी सैन्य अभियान संकेत है कि उसकी रणनीति बदल चुकी है।

राम गोपाल सैनी

इंस्पायर अवॉर्ड योजना में सिंगोद खुर्द के चार विद्यार्थियों का चयन

जयपुर (हमारा वतन)। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा संचालित इंस्पायर अवॉर्ड-मानक योजना के तहत महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) सिंगोद खुर्द के चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में मनीष कुमार बुनकर, विक्रम नायक, कृष्णा सैनी और निशा शामिल हैं।

विद्यार्थियों के चयन से विद्यालय परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रभारी अध्यापक दीपक वर्मा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत कर यह उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के संस्थाप्रधान चन्द्रशेखर बाकोलिया ने बताया कि विद्यालय के छात्र-छात्राएं सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए नए-नए वैज्ञानिक आइडिया तैयार कर रहे हैं और विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रुचि दिखा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इंस्पायर अवॉर्ड योजना के तहत चयनित प्रत्येक विद्यार्थी को अपने नवाचारी मॉडल विकसित करने के लिए 10-10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जो सीधे उनके बैंक खातों में जमा होगी। इस राशि से विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट को विकसित कर सकेंगे। विद्यालय परिवार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों का यह उत्साह भविष्य में नए वैज्ञानिक तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा।

समर्पण संस्था का 16 वाँ विशाल रक्तदान शिविर 15 मार्च को

जयपुर (हमारा वतन)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा 16वाँ विशाल रक्तदान शिविर रविवार, 15 मार्च 2026 को प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक मल्टी परपज हॉल, रावत पब्लिक स्कूल, सेक्टर-17, हल्दीघाटी मार्ग, मेवाड़ अपार्टमेंट के सामने, प्रताप नगर, सांगानेर में लगाया जाएगा। संस्था द्वारा शिविर में रक्त एकत्रित करने के लिए सवाई मानसिंह चिकित्सालय ब्लड बैंक, राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक तथा स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक की चिकित्सक टीमों को आमन्त्रित किया गया है । समर्पण संस्था गत 16 वर्षों से निरंतर मानव कल्याण, शिक्षा सहायता, रक्तदान, नेत्रदान, देहदान जागरूकता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है। संस्था द्वारा अब तक 15 रक्तदान शिविरों में 1455 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया जा चुका है। संस्था के प्रयासों से हजारों जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिला है तथा समाज में रक्तदान की भावना को मजबूत किया गया है।

समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी जयपुरवासियों, युवाओं, छात्रों, कर्मचारियों, व्यवसायियों एवं समाजसेवियों से अपील की है कि वे इस नेक कार्य में भाग लेकर रक्तदान करें और किसी एक जीवन को बचाने में सहयोग प्रदान करें।रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो बिना किसी खर्च के किसी की जान बचा सकता है।

रक्तदान करने वाले प्रत्येक स्वयंसेवक को प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनकी इस नेक कार्य के लिए सम्मान का प्रतीक होगा। तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सेवानिवृत्त आईआरएस सी. एल. वर्मा, सचिव कमल नयन खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष हीरालाल बैरवा, नीरू शर्मा, मोहन मेहरा,राम स्वरूप महावर सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे ।

वृक्ष मित्र सम्मान से सम्मानित हुए डॉ. एस के फगेड़िया

सीकर (हमारा वतन)। कमलादेवी जनसेवा संस्थान सीकर के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. एस के फगेड़िया को वृक्ष मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया । डॉ.फगेड़िया को सांखू लक्ष्मणगढ़ के सेवानिवृत प्रधानाचार्य एवं ऑक्सीजन जन आन्दोलन के संयोजक वृक्षमित्र पर्यावरण प्रेमी श्रवण कुमार जाखड़ द्वारा उनके निज आवास पर शाल, मोमेंटो एवं पौधा भेंट कर वृक्ष मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया ।

डॉ. एस के फगेड़िया को उनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण में किए जा रहे नवाचार हेतू वृक्ष मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत प्राचार्य श्रवण कुमार जाखड़ द्वारा अपने आवास पर स्वयं के खर्चे से नर्सरी बनाई गई है जिसमें पौधों की बहुत सारी किस्में वे स्वयं तैयार करते हैं एवं उनके द्वारा अब तक तीन लाख से अधिक पौधों का निःशुल्क वितरण एवं पौधारोपण किया जा चुका हैं ।

इस अवसर पर डॉ. एस के फगेड़िया ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि गुरुजी श्रवण कुमार जाखड़ द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु किया गया कार्य आज की युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणादायक कार्य है जिससे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए ।

प्रिंस महाविद्यालय चौमूं में हुआ होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। प्रिंस एजुकेशन ग्रुप के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमेन कैलाश चौधरी ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने होली के पारंपरिक रिवाज से वातावरण को उल्लास और रंग से भर दिया। संस्था के निदेशक कैलाश चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि होली प्रेम भाईचारे और आपसी सौहार्द का पर्व है। प्रिंसिपल डॉक्टर राजेश गौड ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी का जीवन रंग बिरंगों रंगो के जैसे खुशियों से भरा रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।